पपीता कांड

बहुविकल्पीय प्रश्न

(1) लेखक कितने दिनों के खोज़बीन के बाद मनपसंद घरको(मकान) पाया ?

(क) चार महीने
(ख) पाँच महीने
(ग) छह महीने
(घ) सात महीने

(2) मकान मालिक कितने ग्राम दूध से दिन भर का काम निकालते थे?

(क) 500 ग्राम
(ख) 200 ग्राम
(ग) 350 ग्राम
(घ) 250 ग्राम

(3) लेखक ने मकान मालिक की पहली विशेषता किसे बताया है?

(क) उसके अच्छा गानागाने को
(ख) उसके पहलवानी को
(ग) उसके 250 ग्राम दूध के करीब दो किलो बनाने को
(घ) उसके अच्छा खाना बनाने को

(4) लेखक ने मकान मालिक की दूसरी विशेषता किसे बताया?

(क) उसके गाढ़ी मित्रता को
(ख) उसके मेहनती स्वभाव को
(ग) उसके महीने के शुरू में इकट्ठे आलू खरीद लेने को
(घ) उसके इकट्ठे दो किलो दूध पीने को

Continued

5) मकान मालिक इकट्ठे आलू क्यों लेते थे?
(क) इकट्ठे आलू लेने पर उन्हें सस्ते कीमत लगते थे।
(ख) उनके घर में बाज़ार जाने वाला कोई नहीं था।
(ग) उनके घर से बाज़ार बहुत दूर था।
(घ) आलू न मिलने का डर बना रहता था।

(6) पिलपिले आलू के संबंध में मकान मालिक का क्या विचार था?
(क) पिलपिले आलू कभी सड़ते नहीं हैं।
(ख) पिलपिले आलू कम तेल में पकते हैं।
(ग) पिलपिले आलू जल्दी पकते हैं।
(घ) पिलपिले आलू जल्दी पेट में पच जाते हैं।

(7) मकान मालिक के इकट्ठे आलू खरीदने पर लेखक को क्या फायदा होता था?
(क) लेखक अपने आलू के सड़ने पर मकान-मालिक के आलुओं में से अच्छे आलू ले आता था।
(ख) लेखक मकान मालिक से आलू उधार ले लेता।
(ग) लेखक को आलू खरीदने की आवश्यकता नहीं होती थी।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

(8) मकान मालिक ने ढोल की कीमत अधिक क्यों बताई थी?
(क) मकान मालिक ने ढोल की कीमत अधिक बताई थी लेखक को डराने के लिए।
(ख) अपनी रईसी दिखाने के लिए।
(ग) मकान मालिक को सही दाम याद न रहने के कारण।
(घ) लेखक को नीचा दिखाने के लिए।

Continued

9) लेखक ने एक पपीता पेड़ से क्यों तोड़ लिया?

(क) लेखक के अनुसार मकान मालिक को सिर्फ चार पपीते ही पेड़ पर मिलने चाहिए।

(ख) लेखक भूख के मारे एक पपीता तोड़ लिया।

(ग) लेखक को पपीता खाने का बड़ा शौक था।

(घ) मकान-मालिक ने लेखक को एक पपीता तोड़ने की छूट दी थी।

10) मकान मालिक ने अपने ढोल की कीमत कितनी बताई थी?

(क) चालीस रुपए

(ख) पचास रुपए

(ग) साठ रुपए

(घ) सत्तर रुपए

11) मकान मालिक ने लेखक को मकान छोड़ने का हुक्म क्यों दिया था?

(क) लेखक मकान-मालिक से झगड़ा किया था।

(ख) लेखक ने मकान मालिक के पैसे चुराए थे।

(ग) लेखक ने पेड़ से पपीते चुराए थे और इंकार भी किया।

(घ) लेखक से भी बढ़िया किराएदार मकान मालिक को मिल गया था।

— o —